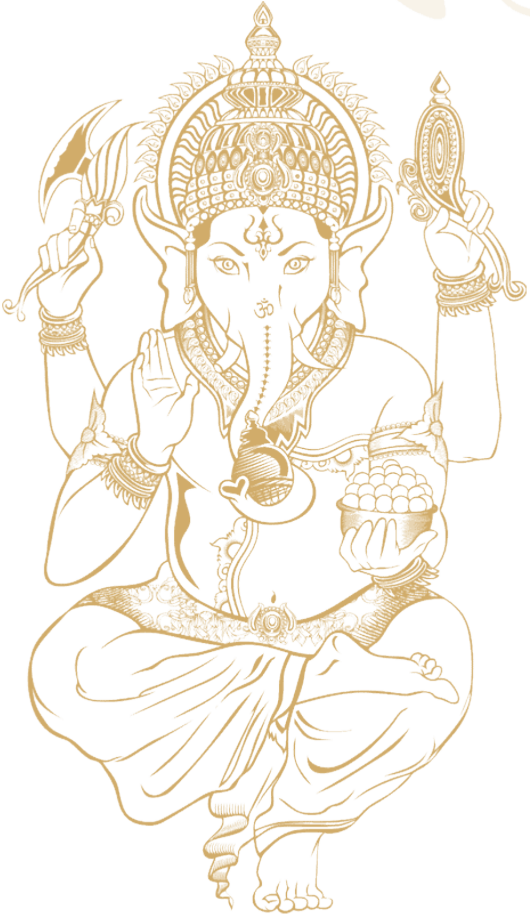

J

18 Aug 1951

10:45 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121529811

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **18/08/1951**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **22:45:00 घंटे**
इष्ट	: 42:17:29 घटी
स्थान	: **Jhansi**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
रेखांश	: 78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 22:29:16 घंटे
वेलान्तर	: -00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	: 20:14:18 घंटे
सूर्योदय	: 05:50:00 घंटे
सूर्यास्त	: 18:49:04 घंटे
दिनमान	: 12:59:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 01:45:42 सिंह
लग्न के अंश	: 20:42:14 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मेष - मंगल
राशि-स्वामी	: **कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: सुकर्मा
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: सिंह
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:42:14	430:19:02	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	01:45:42	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	23:06:06	14:04:16	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	06:59:13	00:38:41	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व		सिंह	21:54:32	00:06:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	20:39:13	00:02:50	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र	व		सिंह	24:34:37	00:12:50	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			कन्या	07:21:01	00:06:29	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु			कुंभ	16:39:14	00:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:39:14	00:00:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मिथु	19:09:47	00:02:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
नेप			कन्या	24:14:28	00:01:31	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
प्लूटो			कर्क	26:29:16	00:01:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मक	08:09:30	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:11:00

लग्न-चलित

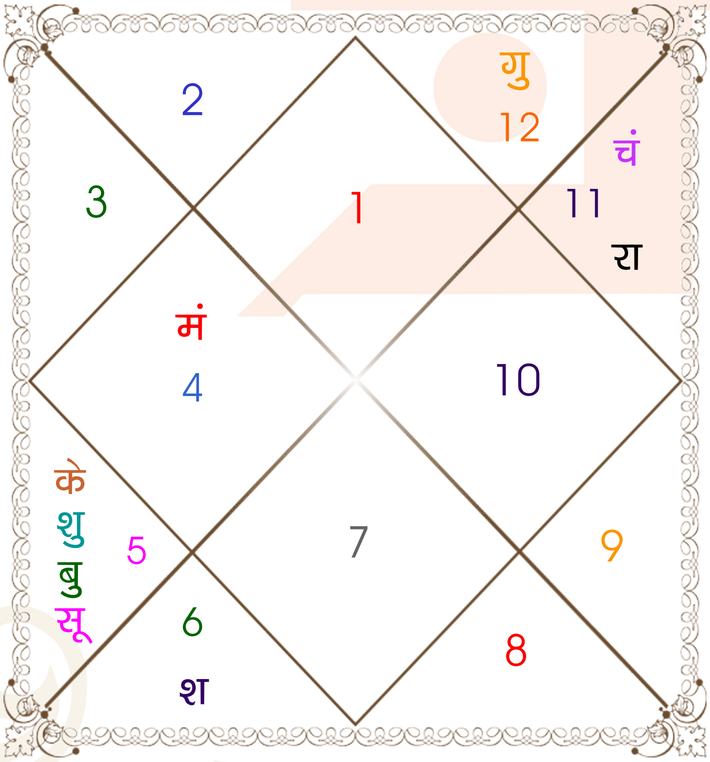

चन्द्र कुंडली

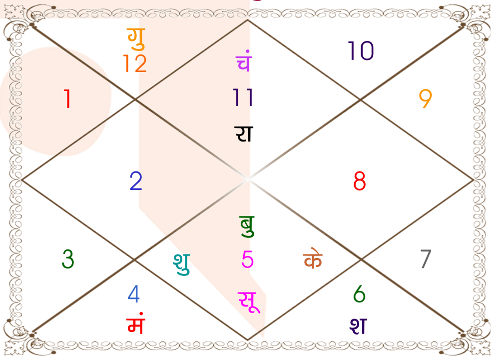

नवमांश कुंडली

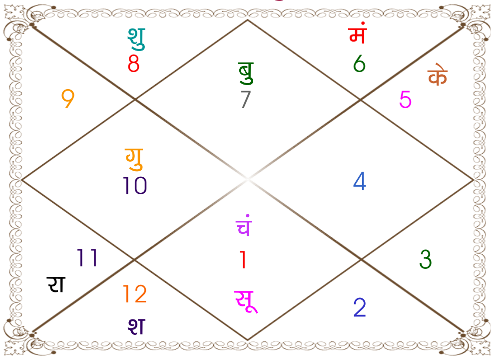

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 3 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/08/1951		28/11/1963		28/11/1982		28/11/1999		28/11/2006	
28/11/1963		28/11/1982		28/11/1999		28/11/2006		28/11/2026	
	18/08/1951	शनि	01/12/1966	बुध	25/04/1985	केतु	25/04/2000	शुक्र	29/03/2010
शनि	29/07/1952	बुध	10/08/1969	केतु	23/04/1986	शुक्र	25/06/2001	सूर्य	30/03/2011
बुध	03/11/1954	केतु	19/09/1970	शुक्र	20/02/1989	सूर्य	31/10/2001	चंद्र	27/11/2012
केतु	10/10/1955	शुक्र	18/11/1973	सूर्य	28/12/1989	चंद्र	01/06/2002	मंगल	27/01/2014
शुक्र	10/06/1958	सूर्य	31/10/1974	चंद्र	29/05/1991	मंगल	28/10/2002	राहु	27/01/2017
सूर्य	30/03/1959	चंद्र	01/06/1976	मंगल	26/05/1992	राहु	16/11/2003	गुरु	28/09/2019
चंद्र	29/07/1960	मंगल	11/07/1977	राहु	13/12/1994	गुरु	22/10/2004	शनि	28/11/2022
मंगल	04/07/1961	राहु	16/05/1980	गुरु	20/03/1997	शनि	01/12/2005	बुध	28/09/2025
राहु	28/11/1963	गुरु	28/11/1982	शनि	28/11/1999	बुध	28/11/2006	केतु	28/11/2026

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/11/2026		27/11/2032		28/11/2042		28/11/2049		28/11/2067	
27/11/2032		28/11/2042		28/11/2049		28/11/2067		00/00/0000	
सूर्य	17/03/2027	चंद्र	28/09/2033	मंगल	26/04/2043	राहु	10/08/2052	गुरु	15/01/2070
चंद्र	16/09/2027	मंगल	29/04/2034	राहु	13/05/2044	गुरु	03/01/2055	शनि	18/08/2071
मंगल	22/01/2028	राहु	29/10/2035	गुरु	19/04/2045	शनि	09/11/2057		00/00/0000
राहु	16/12/2028	गुरु	27/02/2037	शनि	29/05/2046	बुध	29/05/2060		00/00/0000
गुरु	04/10/2029	शनि	28/09/2038	बुध	26/05/2047	केतु	16/06/2061		00/00/0000
शनि	16/09/2030	बुध	27/02/2040	केतु	22/10/2047	शुक्र	16/06/2064		00/00/0000
बुध	23/07/2031	केतु	27/09/2040	शुक्र	22/12/2048	सूर्य	11/05/2065		00/00/0000
केतु	28/11/2031	शुक्र	29/05/2042	सूर्य	28/04/2049	चंद्र	10/11/2066		00/00/0000
शुक्र	27/11/2032	सूर्य	28/11/2042	चंद्र	28/11/2049	मंगल	28/11/2067		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।